

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	Arun Azad
Father Name	Ram Naresh
Date of Birth	1993-03-04
Contact No	9984024042
Alternate contact no.	
e-mail ID	aruzad64@Gmail.com
Nominee Name	Janki Devi
Correspondence Address :	Mo – Rajendra Nagar Risia
Landmark	Risia
City	Bahraich
State	Uttar Pradesh
Pin Code	271875
Country	India

BANK DETAILS

Account holder's name	Arun Azad
Account No.	46668100022390
Bank Name	Bank Of Baroda

Branch	Dargah Sharif Bahraich
IFSC Code	BARB0DARGAH
Pan No.	BMLPA4111L

Book Details

Book Title	Tumhare Jane Ke baad
How would you like your name to appear on book?	Arun Azad
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Poetry
Number of images (If any)	0
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

Cover details

Synopsis

उस दीवाली वाले दनि जब उसका फ़ोन आया तो हमने घंटो ढेर सारी बाते की ,कई सवाल थे कई जवाब थे। शायद दो लोगो के मलिन के रास्ता तय हो रहा था मुझे याद है एक सवाल उसने पुछा था क"कभी किसी के लए रोये है आप ?"मैने हंसकर जवाब दिया था "जी नहीं "। वो तुरंत बोली "आप मेरे लए रोयेंगे एक दनि "

आज भी उसके वही शब्द मेरे कानो में गूंजते रहते है ।

मेरे हालात , मेरी मज़बूरी, मेरी बेबसी समझा जाय ।

मैं किसी और का हो जाऊ, तो खुदखुशी समझा जाय ॥

Blurb

कभी कुछ सोचकर नहीं लिखा , बस जो जुबान या ज़हन में आ गया उसको फ़ेसबुक पर लिख दिया हालाँकि कुछ लिखने के पीछे भी कोई न कोई कारण होता है इसके पीछे भी है पर उसका नाम, मैं ना तो जुबान पर ला सकता हूँ और न ही इस कतिब में ।

हाँ!हमने साथ मिलकर एक नया नाम बनाया था “अरुणमि ” । आप कह सकते है ये कतिब पूरी तरह इसी नाम को समर्पित है ।

इस कतिब के आने के पीछे बहुत लोगो का हाथ है किसी स्पेशल का नाम नहीं ले सकता सकता ।

मेरे हृदय के करीब सभी दोस्तों को धन्यवाद जो इस सफ़र में साथ रहे ।

Author Bio

नाम अरुण आजाद है , बी एड किया हुआ है , बहराइच के कसिन डग्री कॉलेज से अंग्रजी से एम ए कर रहा हूँ । बहराइच से 14 किलोमीटर दूर पड़ता है रसिया, यही का रहने वाला हूँ । सपने देखने का आद हूँ और पूरा करने की कोशिश भी है । मतिर बनाना पसंद है और कहानिया सुनना । शायरों , कवियों को सुनना बहुत पसंद है । Youtube पर गानों की जगह शायरी या कवितायें सुनता रहता हूँ । श्री कुमार विश्वास जी मेरे पसंदीदा है, बहुत सुनता हूँ इनको । मुझे लगता है जब हम अपनी बात किसी से कह नहीं पाते तब हम लेखन का सहारा लेते है